[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4306 **H**

Unique Paper Code : 0967000007

Name of the Paper : Ethics and Values in Ancient Indian Traditions

Name of the Course : **Value Addition Course (VAC)**

Semester : IV

Duration : 1 Hour Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

छात्रों के लिए निर्देश

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

   इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. Question No. **One** is Compulsory.

   प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

P.T.O.

3. Attempt any 2 out of the remaining 3 questions.

शेष तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिये ।

4. All questions carry equal marks.

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

5. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Write short notes on **any two** : (5 marks each)

किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी करें :

(a) 'Kama' in ancient Indian philosophical thought.

प्राचीन भारतीय दार्शनिक विचार में 'काम' की अवधारणा।

(b) 'Kingship' and its relationship with the principles of Dharma.

'राजत्व' और धर्म के सिद्धांतों के साथ इसका संबंध।

(c) Concept of epics.

महाकाव्य की अवधारणा।

2. How did the early Indian conceptualizations of 'Jambudvipa', and 'Aryavrata' influence the cultural and identity of ancient India?

'जम्बूद्वीप' और 'आर्यावर्त' की प्रारंभिक भारतीय अवधारणाओं ने प्राचीन भारत की सांस्कृतिक और पहचान को कैसे प्रभावित किया?

3. How did the notion of 'Rashtra' and 'Sanskar' contribute to the formation of socio-cultural norms in ancient Indian society?

'राष्ट्र' और 'संस्कार' के विचार कैसे प्राचीन भारतीय समाज में सामाजिक-सांस्कृतिक नियम के निर्माण में सहायक रहे?

P.T.O.

4. What is the significance of 'Puruṣārtha Chatushtaya' in ancient Indian texts?

प्राचीन भारतीय पाठों में 'पुरूषार्थ चतुष्टय' का क्या महत्व है?